125th ANNIVERSARY OF GOAN TIATR

Tiatr is a unique dramatic form of Goa which is most popular not only in Goa but everywhere in India and abroad where Goans are settled.

Goan Tiatr took birth in neighboring Bombay, almost 125 years back i.e. in 1892. A young man called Lucazinho Ribeiro hailing from Sokolwaddo, Assagao in Bardez Taluka can be called the innovator of the Tiatr because he along with Joao Agostinho Fernandes and others staged the first Tiatr performance on the occasion of Easter on 17th April, 1892. The name of the first Tiatr presented was "Italian Bhurgo". It was based on an English Opera.

The word 'Tiatr' came from the Portuguese language "TEATRO" which means Theatre. Tiatr is a unique form of dramatic art. It has music and singing but it is not a musical drama. The plot of a Tiatr is normally divided into 6 or 7 parts, each part is called a "Pordho". In between these Pordhes there are songs which are called "Kantaram". Normally there are 2 or 3 Kantaram in between two Pordhes. This means that there are at least 12 to 14 Kantaram in a Tiatr. The uniqueness of the Tiatr lies in the fact that the story of the Tiatr is based on one particular theme whereas each Kantar is based on a different subject.

In the beginning of mid 20th century some very talented script writers such as Alexinho de Candolim, Minguel Rod, C. Alvares, M. Boyer, Prem Kumar, J.P. Souzalin, Nelson's Afonso, Aristedes Dias, Remy Colaso, John Claro etc provided excellent scripts.

There is no doubt that the most popular dramatic form in Goa is the Tiatr. Since 1892 to 2017, a period of almost 125 years has seen Tiatr getting more popular day after day and year after year.

Department of Posts is pleased to issue a set of two Commemorative Postage Stamps on the occasion of 125th Anniversary of Goan Tiatr.

Credits :

Text	: Based on the material received from proponent
Stamps/Miniature Sheet/ FDC/Brochure	: Ms. Gulistan
Cancellation Cachet	: Smt. Alka Sharma

भारतीय डाक विभाग

Department of Posts India

गोवा का तियात्र 125 वीं वर्षगांठ

GOAN TIATR 125 TH ANNIVERSARY

विवरणिका BROCHURE



गोवा का तियात्र की 125वीं वर्षगांठ

तियात्र गोवा का एक विशिष्ट नाट्य रूप है, जो कि न केवल गोवा, बल्कि भारत तथा विदेशों में भी लोकप्रिय है, जहां पर गोवा के लोग बसे हुए हैं।

गोवा के तियात्र की शुरूआत इसके पड़ोसी नगर बाम्बे में लगभग 125 वर्ष पूर्व अर्थात् 1892 में हुई थी। बार्देज ताल्लुका स्थित सोकोलवाडो, अस्सा गांव के निवासी लुकाझिनो रिबेरो नामक युवक को तियात्र का प्रवर्तक माना जा सकता है, क्योंकि उन्होंने जोआवो अगोस्तिनो फर्नांडिस तथा अन्य मित्रों के साथ मिलकर 17 अप्रैल, 1892 को ईस्टर के अवसर पर पहली बार इसका मंचन किया। तियात्र की प्रथम प्रस्तुति का नाम "इटैलियन भुर्गो" था। यह अंग्रेजी के ओपेरा पर आधारित था।

'तियात्र' शब्द पुर्तगाली भाषा के "तियात्रो" से लिया गया है, जिसका अर्थ रंगमंच होता है। तियात्र नाट्यकला का एक अनूठा रूप है। इसमें संगीत एवं गायन होता है, लेकिन यह संगीतमय नाटक नहीं है। तियात्र का कथानक सामान्यतः 6 अथवा 7 भागों में विभक्त होता है, इसके प्रत्येक भाग को 'पोर्दो' कहते हैं। इन पोर्दो के बीच गीत गाए जाते हैं, जिन्हें "कातारां" कहा जाता है। दो पोर्दो के बीच में सामान्यतः 2 अथवा 3 कातारां होते हैं अर्थात एक तियात्र में कम से कम 12 से 14 कातारां होते हैं। तियात्र का अनूठापन इस तथ्य में निहित है कि तियात्र की कथा किसी विशिष्ट विषय पर आधारित होती है, जबकि प्रत्येक कातारां भिन्न-भिन्न विषयों पर आधारित होते हैं।

20वीं शताब्दी के मध्य के आरंभ में, आलेक्सिनो दी कांदोलिम, मिग्युअल रॉड, सी. अल्वारेस, एम. बोयर, प्रेम कुमार, जे.पी. सुजालिन, नेलसन्स अफोंसो, एरिसटेड्स डायस, रेमी कोलासो, जॉन क्लारो जैसे कई अति प्रतिभाशाली लेखकों ने उत्कृष्ट कहानियों की रचना की।

निस्संदेह, गोवा का सर्वाधिक लोकप्रिय नाट्य रूप तियात्र ही है। सन् 1892 से 2017 तक, लगभग 125 वर्षों की अवधि के दौरान तियात्र दिनों-दिन और वर्ष-दर-वर्ष और अधिक लोकप्रिय होता गया।

डाक विभाग, गोवा के तियात्र की 125वीं वर्षगांठ के अवसर पर दो स्मारक डाक टिकटों का एक सेट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार :

मूलपाठ : प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री पर आधारित

डाक टिकट/मिनियेचर शीट/ : सुश्री गुलिस्तां
प्रथम दिवस आवरण/विवरणिका

विरूपण : श्रीमती अलका शर्मा

भारतीय डाक
India Post

भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	:	500 पैसा, 2500 पैसा
Denomination	:	500 p, 2500 p
मुद्रित डाक-टिकटें	:	600700, 502700
Stamps Printed	:	600700, 502700
मुद्रित मिनियेचर शीट	:	1.10 लाख
Miniature Sheet Printed	:	1.10 lakh
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at
http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

मूल्य: ₹ 5.00